International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

हरियाणा के प्राथमिक विद्यालयों के नमूने में सीखने की कठिनाइयों वाले छात्रों पर शिक्षकों का दृष्टिकोणरू एक वर्णनात्मक अध्ययन

Sunil Kumar Jatan[1], Dr. Satish Kumar Singh[2]
[1]Research Scholar, Department of Education, Capital University Chitragupt Nagar, Jhumri Telaiya, Koderma, Jharkhand
[2]Research Supervisor, Department of Education, Capital University Chitragupt Nagar, Jhumri Telaiya, Koderma, Jharkhand
DOI:euro.ijress.99452.33144

सार–
यह विवरणात्मक अध्ययन हरियाणा प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा को बढ़ावा देने के बावजूद शिक्षकों के दृष्टिकोण पर विशेष जोर देता है। इसका उद्देश्य है प्राथमिक शिक्षकों के लर्निंग डिसेबिलिटीज के छात्रों पर ज्ञान, धारणाएँ, और व्यवहार को समझना। शिक्षा में प्रगति के बावजूद, हरियाणा को अर्थव्यवस्था, सामाजिक अंतर, और संसाधन सीमाओं जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। शिक्षकों के लर्निंग डिसेबिलिटीज पर धारणाओं को समझना समावेशी शिक्षा के वातावरण बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। यह अध्ययन, आठ सरकारी स्कूलों में संपन्न किया गया था, जिसमें 60 प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की सर्वेक्षण किया गया था, और इसमें साक्षात्कार, फोकस समूह, और अवलोकन का उपयोग किया गया था। परिणाम दर्जनभर शिक्षकों के बीच माध्यम स्तर के ज्ञान का दर्जा दिखाते हैं, जो लर्निंग डिसेबिलिटीज वाले छात्रों का समर्थन करने की प्रोत्साहक सकारात्मक धारणा का होता है। शिक्षकों के ज्ञान और धारणाओं के बीच महत्वपूर्ण संबंध होता है। जनसांख्यिकीय विश्लेषण शिक्षा कार्यबल के बारे में अवलोकन प्रदान करता है। लक्षित अवसरों और पेशेवर विकास के लिए संशोधित दृष्टिकोण और पेशेवर विकास की सिफारिश की जाती है ताकि हरियाणा प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की प्रतिभाओं को बढ़ावा मिल सके और समावेशी शिक्षा को बढ़ावा दिया जा सके।

मूल भाब्द–ज्ञान, दृष्टिकोण, शिक्षक, सीखने की अक्षमता, स्कूल

प्रस्तावना–

शिक्षा को सामान्यतः एक अधिकार और विकास का आधार माना जाता है। समावेशी शिक्षा में, सभी छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा किया जाना चाहिए, जिसमें लर्निंग डिसेबिलिटीज वाले छात्रों को भी शामिल है। छात्रों को शिक्षा, प्रसंस्करण, और जानकारी को प्रक्रियात्मक तरीके से सीखने, प्रसंस्करण करने, और प्रदर्शित करने के कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है। हरियाणा में शिक्षा में समावेशी शिक्षा के लिए प्राथमिक शिक्षा अध्यापकों के दृष्टिकोण को समझना महत्वपूर्ण है, जिससे समावेशी शिक्षा के वातावरण और शिक्षा के लिए न्यायसंगत पहुँच सुनिश्चित हो।हरियाणा, उत्तरी भारत में, पारंपरिकता

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

को आधुनिकता के साथ मिलाकर लाता है। शिक्षा की तरक्की के बावजूद, हरियाणा के सामाजिक–आर्थिक अंतर, सांस्कृतिक पूर्वाग्रह, और संसाधन सीमाओं से जूझता है। प्राथमिक शिक्षा के शिक्षाप्रद व्यक्ति ऐसे शिक्षा अनुभवों का निर्माण करते हैं जो बच्चों के शैक्षिक और सामाजिक–भावनात्मक विकास को आकार देते हैं। इसलिए, उनके दृष्टिकोण जो लर्निंग डिसेबिलिटीज वाले छात्रों पर होते हैं, वे शिक्षा में समावेश और प्रभावकारिता को प्रभावित करते हैं।

यह अनुसंधान हरियाणा प्राथमिक विद्यालय शिक्षकों की विभिन्न दृष्टिकोणों पर अध्ययन करता है जो लनिंग डिसेबिलिटीज वाले बच्चों पर हैं। इस अध्ययन में साक्षात्कार, फोकस समूह, और अवलोकन जैसी गुणात्मक विधियों का उपयोग किया जाता है ताकि शिक्षाविदों के जीवन अनुभव, धारणाएँ, और विभिन्न शिक्षार्थियों के लिए शिक्षण अभ्यास का अध्ययन किया जा सके। अनुसंधान में शिक्षाविदों के छात्र के शिक्षा कठिनाइयों के समझ, उनके अकादमिक प्रगति में बाधाओं के दृष्टिकोण, उनके उपायों और समर्थन तंत्रों, और समावेशी शिक्षा पर उनके विचारों की जांच की जाएगी।

यह परियोजना शिक्षा सिद्धांत, नीति, और अभ्यास को सूचित करने का प्रयास करती है जिसमें हरियाणा के प्राथमिक शिक्षाविदों की आवाजें और अनुभव एकत्रित किए जाते हैं। ये फिंडिंग्स लक्षित अवसरों, पेशेवर विकास, और कानूनी उपायों को प्रभावित कर सकते हैं ताकि लर्निंग डिसेबिलिटीज वाले छात्रों के लिए शिक्षा समर्थन प्रणालियों को सुधारा जा सके। यह परियोजना हरियाणा में एक अधिक समावेशी, न्यायसंगत, और प्रभावी प्राथमिक शिक्षा को बनाने का लक्ष्य रखती है जिससे शिक्षाविदों को बच्चों की विभिन्न आवश्यकताओं को पहचानने और समग्र विकास और शैक्षिक उपलब्धि को समर्थन करने में सक्षम बनाया जा सके।

शिक्षा लोगों को समाज में चलने और योगदान देने की शक्ति प्रदान करती है। शिक्षात्मक न्याय की खोज में, विभिन्न शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा किया जाना चाहिए, विशेषतः जिनमें शिक्षा समस्याओं वाले छात्र शामिल हैं। डिस्लेक्सिया, डिसकैलक्यूलिया, एडीएचडी, और एएसडी सभी बच्चों की शैक्षिक यात्राओं में विशेष बाधाएं प्रदान करते हैं। हरियाणा के शिक्षा वातावरण में, जो सांस्कृतिक धरोहर और आर्थिक रूप से विकसित हो रहा है, सामाजिक–आर्थिक असमानताएं, सांस्कृतिक नीतियाँ, और अवसंरचना सीमाओं इन समस्याओं को और अधिक बिगाड़ देते हैं।

हरियाणा के प्राथमिक विद्यालय छात्रों के शिक्षा धारणाओं को आकार देते हैं और उन्हें शैक्षिक सफलता के लिए तैयार करते हैं। ज्ञान सुविधाकर्ताओं, मेंटर्स, और छात्र सफलता के प्रवक्ता के रूप में, शिक्षाविद अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उनक विचार, विचार, और शिक्षण विधियाँ शिक्षा विकलांगता समावेश और प्रभावकारिता पर बहुत अधिक प्रभाव डालती हैं। इसलिए, इन मुद्दों पर शिक्षाविदों के दृष्टिकोण को

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

जानना सिखाने के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए न्यायसंगत शिक्षा और एक समृद्ध शिक्षा वातावरण को बढ़ावा देने वाली नीतियों के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

अध्ययन का उद्देश्य

- बच्चों में सीखने की अक्षमताओं के संबंध में स्कूल शिक्षकों के ज्ञान का आकलन करना।
- सीखने की अक्षमता वाले बच्चों के प्रति स्कूल शिक्षकों के रवैये का आकलन करना।
- सीखने की अक्षमता के संबंध में स्कूल शिक्षकों के ज्ञान और दृष्टिकोण को सहसंबंधित करना।
- स्कूल शिक्षकों के ज्ञान और दृष्टिकोण को चयनित जनसांख्यिकीय चर के साथ जोड़ना। (अर्थात् आयु, लिंग, वैवाहिक स्थिति, शैक्षिक योग्यता, महत्व के 0.05 स्तर पर अनुभव के वर्ष)।

परिकल्पना

H1:पी≤ 0.05 के महत्व स्तर पर सीखने की अक्षमता के संबंध में स्कूल शिक्षकों के ज्ञान और दृष्टिकोण के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

H2:चयनित जनसांख्यिकीय चर जैसे आयु, लिंग, वैवाहिक स्थिति, शैक्षिक योग्यता, पी≤ 0.05 के स्तर पर अनुभव के वर्षों के साथ सीखने की अक्षमता के सबंध में स्कूल शिक्षकों के ज्ञान के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

H3:चयनित जनसांख्यिकीय चर जैसे आयु, लिंग, वैवाहिक स्थिति, शैक्षिक योग्यता, पी≤ 0.05 के स्तर पर अनुभव के वर्षों के साथ सीखने की अक्षमता के प्रति स्कूल शिक्षकों के रवैये के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

साहित्य की समीक्षा

सुषमा, एस., और स्मृति, बी. (2012) इस अध्ययन ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में कार्यरत प्राथमिक विद्यालय शिक्षकों की समावेश में अपने धारणाओं की जाँच की। सामान्य शिक्षा प्रणालियों में सभी बच्चों को मुख्य बनाने के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय आंदालन चल रहा है जबकि स्कूल प्रणाली में समावेश का कार्यान्वयन, कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। समावेशात्मक कार्यक्रम को कार्यान्वित करने के लिए वहाँ पेशेवरों की एक हीरोंग्रुप और समर्थक राय है। समावेश के लिए एक मजबूत और प्रमुख कारक शिक्षकों की दृष्टिकोण है। वर्तमान अध्ययन के अनुसार, शिक्षकों की सकारात्मक दृष्टिकोण थी स्पेशल नीड्स वाले बच्चों के साथ समावेश के प्रति साथ ही उनके सामान्य सहयोगियों के प्रति।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

समावेश के इस प्रकार के दृष्टिकोण का प्रभावी कार्यान्वयन और सफल समावेश में प्रैक्टिशनर्स की मदद कर सकता है जो निम्न स्तर पर सभी छात्रों की (विशेष जरूरत वाले बच्चों के लिए खासतौर पर) शैक्षिक और अन्य प्रदर्शन को बढ़ावा देता है।

कुमार, डी., और बाला, के. (2014) इस अध्ययन का प्रयास था कि शिक्षा संसाधन शिक्षकों की भावना का अध्ययन किया जाए जो विशेष शैक्षिक आवश्यकताओं वाले छात्रों को सामान्य कक्षाओं में समावेश करने की दिशा में है, और लिंग और आवासीय स्थिति के आधार पर संसाधन शिक्षकों की भावना में अंतर का अध्ययन किया जाए। इस उद्देश्य के लिए, एक नमूना का चयन किया गया जिसमें सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में काम करने वाले छठीं से बारहवीं कक्षा के संबलित शिक्षा के लिए विकलांगता शिक्षा (आईईडीएसएस) योजना है। शिक्षकों की सामावेशिक शिक्षा की दिशा मापी गई। अधिकांश संसाधन शिक्षकों की भावना का परीक्षण किया गया और विशेष शैक्षिक आवश्यकताओं को सामान्य कक्षाओं में समावेश करने के प्रति धारात्मक पाया गया। महिला और पुरुष, ग्रामीण और शहरी संसाधन शिक्षकों की भावना में कोई प्रमुख अंतर नहीं है।

सिंह, एच., गिल, ए.एस., और चौधरी, पी.के. (2023) अध्ययन में पाया गया कि रियाद, सऊदी अरब में निजी प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक, जो सामान्य शिक्षा पाठ्यक्रम के साथ समावेशी विशेष शिक्षा कार्यक्रम प्रदान करते हैं, आमतौर पर विकलांग छात्रों के समावेश के प्रति थोड़े से नकारात्मक धारणाओं को धारण करते हैं। जबकि आयु और शिक्षा स्तर इन धारणाओं के साथ संबंधित नहीं थे, लेकिन विकलांगता के प्रकार, शिक्षक का लिंग, उनकी भूमिका (सामान्य बनाम विशेष शिक्षा), और समावेशी शिक्षा में उनकी प्रशिक्षण इस प्रतिष्ठा को प्रभावित करने के पाये गए। ये फिंडिंग्स सिर्फ सऊदी अरब ही नहीं, बल्कि व्यापक शैक्षिक संदर्भों के लिए भी प्रासंगिक हैं। शिक्षा मे समावेशी प्रथाओं को समृद्ध करने के लिए और गहरी समझ बढ़ाने के लिए, विशेष रूप से शहरी सेटिंग्स के परे, और आगे की अनुसंधान के लिए सुझाव भी दिए गए हैं।

अनुसंधान क्रियाविधि

➢ डिजाइन और सेटिंग का अध्ययन करें

अध्ययन को गैर–प्रयोगात्मक वर्णनात्मक प्रकार के रूप में डिजाइन किया गया था ताकि बच्चों के बीच लर्निंग डिसेबिलिटी के बारे में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की ज्ञान और दृष्टिकोण का विवरण किया जा सके। यह अध्ययन हरियाणा, कश्मीर के जिले में चयनित आठ सरकारी स्कूलों में किया गया था जहां प्राथमिक खंड चलाया जाता है। अध्ययन निम्नलिखित स्कूलों में किया गया था:

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

राजकीय प्राथमिक विद्यालय, अम्बाला, हरियाणा।

सरकारी प्राथमिक विद्यालय, भिवानी, हरियाणा।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय, चरखी दादरी, हरियाणा।

सरकारी प्राथमिक विद्यालय, जिंद, हरियाणा।

➢ नमूना आकार और नमूनाकरण विधि

वर्तमान अध्ययन के नमूने में हरियाणा, कश्मीर के चयनित स्कूलों से 60 प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक शामिल थे। वर्तमान अध्ययन के लिए नमूना चुनने के लिए सुविधाजनक नमूना चयन तकनीक का अपनाया गया था।

सभी शिक्षक जो हरियाणा जिले के चयनित सरकारी स्कूलों में कक्षा 1 से 5 की शिक्षा दे रहे थे और अध्ययन में भाग लेने के लिए सहमति देने को इच्छुक थे, उन्हें नमूने में शामिल किया गया। निजी स्कूलों में शिक्षा देने वाले शिक्षकों और शारीरिक या मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए स्कूलों में शिक्षा देने वाले शिक्षकों को अध्ययन से बाहर निकाल दिया गया।

➢ डेटा संग्रहण उपकरण और तकनीक

डेटा संग्रह के लिए, टूल का उपयोग किया गया जिसमें तीन अनुभाग शामिल थेः

अनुभाग I

आयु, लिंग, वैवाहिक स्थिति, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव के वर्षों (5 आइटम) के बारे में जानकारी मांगने वाला जनसांख्यिकीय डेटा।

अनुभाग II

सीखने की अक्षमता के सामान्य पहलुओं, नैदानिक विशेषताओं और सीखने की अक्षमता वाले बच्चों के निदान और प्रबंधन से संबंधित संरचित ज्ञान प्रश्नावली (30 आइटम)।

अध्ययन के लिए चयनित सभी आठ स्कूलों के प्रधानाध्यापकों से पहले लिखित अनुमति प्राप्त की गई थी। अध्ययन की तारीख 16–11–15 से 04–12–15 तक रखी गई थी। आत्म–परिचय के बाद, प्रायोजन और अध्ययन की प्रकृति को सहयोग प्राप्त करने के लिए प्रायोजनों को स्पष्ट किया गया। उन्हें गोपनीयता और विश्वसनीयता का भरोसा दिया गया। प्रायोजनों से लिखित सहमति प्राप्त की गई

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

और उन्हें आरामदायक बनाया गया। अध्ययन में आठ चयनित स्कूलों से 60 प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों को शामिल किया गया और उनके लंच विराम के दौरान आत्म–प्रशासित टूल वितरित किया गया ताकि उनकी नियमित कक्षाओं में बाधा न हो। औसतन, प्रति दिन 4–5 शिक्षकों को टूल भरने के लिए बनाया गया और उन्हें पूरा करने के लिए लगभग 30–40 मिनट दिए गए। सफल डेटा संग्रह के अंत में, प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों को धन्यवाद दिया गया।

➢ डेटा प्रबंधन और विश्लेषण

उपकरण में पूर्व–कोडित प्रतिक्रियाएं थीं। डेटा संग्रह के दौरान, शोधकर्ता ने डेटा की पूर्ति, स्पष्टता और सटीकता को सुनिश्चित किया। क्योंकि उपकरण में तीन खंड थे। खंड I में जातिवैज्ञानिक डेटा के बारे में जानकारी मांगी जा रही थी, जैसे आयु, लिंग, वैवाहिक स्थिति, शैक्षिक योग्यता, अनुभव का वर्ष (5 आइटम)। खंड II में शैक्षिक निपुणता प्रश्नावली शामिल थी, जो शिक्षा विकलांगता के सामान्य पहलुओं, नैदानिक विशेषताओं, निदान और शिक्षा विकलांग बच्चों के प्रबंधन से संबंधित था (30 आइटम)। सभी सही उत्तर 1 अंक और गलत उत्तर 0 अंक ले आए। खंड IIIमें शिक्षकों की शिक्षा विकलांगता के प्रति दृष्टिकोण का मूल्यांकन करने के लिए आकारित रुचि पैमाना शामिल था (30 आइटम)। आइटमों को एक 3–अंकीय पैमाने के खिलाफ मूल्यांकित किया गया, जैसे – हमेशा, कभी–कभी और कभी नहीं, जहां स्कोर दिया गया था 3, 2 और 1 क्रमशः। नकारात्मक आइटमों में उलटी गिनती थी। 30 आइटमों में से, 11 नकारात्मक कथन थे।

डेटा विश्लेषण अध्ययन के उद्देश्य और परिकल्पना के आधार पर योजित किया गया था। एकत्रित डेटा का वर्णनात्मक और अनुमानात्मक सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया। एकत्रित डेटा को कोड किया गया और सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए मास्टर शीट में परिवर्तित किया गया। बच्चों के लिए शिक्षा विकलांगता के संबंध में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों का ज्ञान और दृष्टिकोण का स्तर और विश्लेषण किया गया था और औसत, माध्य, औसत अंतर, सीमा और मानक विचलन का उपयोग किया गया। जनसंख्या वेरिएबल्स का विवरण करने के लिए औसत, एसडी, औसत प्रतिशत गणना की गई। अनुसंधान और जनसंख्या वेरिएबल्स के बीच संबंध की पहचान के लिए काई वर्ग परीक्षण किया गया। कार्ल पियर्सन के संबंध संदर्भीय गणना से ज्ञान और दृष्टिकोण के बीच संबंध का पता लगाया गया। डेटा को टेबल और आरेखों के रूप में व्याख्या किया गया और प्रस्तुत किया गया।

➢ नैतिक और सांस्कृतिक विचार

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

अनुसंधान अध्ययन को करने के लिए मूल संस्थान की नैतिक समिति से नैतिक मंजूरी मांगी गई। हरियाणा जिले के चयनित स्कूलों के प्रधानों से अध्ययन करने की अनुमति ली गई। डेटा संग्रह से पहले चयनित स्कूलों के प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों से लिखित सूचित सहमति मांगी गई।

डेटा विश्लेषण

जनसांख्यिकीय चर

वर्तमान अध्ययन में यह पाया गया कि प्राथमिक विद्यालय के 60 शिक्षकों में से–

अधिकांश 27 (45:) 41–50 वर्ष आयु वर्ग के थे।

अधिकांश 34 (57:) पुरुष थे।

अधिकांश 40 (66:) पोस्ट ग्रेजुएट थे।

अधिकांश 21 (35:) के पास 6–10 वर्ष का अनुभव था।

अधिकांश 55 (92:) विवाहित थे।

प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों का ज्ञान स्कोर

अध्ययन के परिणामों से पता चला कि ज्यादातर स्कूल के शिक्षकों में 44 (73.3:) का माध्यमिक ज्ञान था जिससे वे शिक्षा विकलांगता के बारे में। 60 स्कूल के शिक्षकों में से 12 (20.0:) के पास शिक्षा विकलांगता के संबंध में अपर्याप्त ज्ञान था और केवल 4 (6.7:) स्कूल के शिक्षकों के पास इस विषय पर पर्याप्त ज्ञान था।

- **प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों का मनोवृत्ति स्कोर**

अध्ययन के परिणामों से पता चला कि अधिकांश स्कूल के शिक्षकों में 56 (93.3:) का सबसे अनुकूल दृष्टिकोण था जो शिक्षा विकलांगता वाले बच्चों के प्रति। केवल 4 (6.7:) स्कूल के शिक्षकों ने अनुकूल दृष्टिकोण दिखाया और किसी (0:) का अनुकूल दृष्टिकोण स्तर नहीं था।

- **प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के ज्ञान और मनोवृत्ति अंकों का सहसंबंध**

पाया गया कि स्कूल के शिक्षकों के ज्ञान के बीच जो शिक्षा विकलांगता के बारे में है और उनका उन बच्चों के प्रति दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण संबंध है। परिमाणीय संबंधीय संख्या कोई 0.60 मिला जिसका सारणी मूल्य 0.254 था ($P<0.001$)। इसलिए नल अनुकूलन की खाली हिपोथिज (H01) जो कि यह

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

कहता है कि शिक्षा विकलांगता के संदर्भ में स्कूल के शिक्षकों के ज्ञान और दृष्टिकोण के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है $p \leq 0.05$ स्तर की प्रमुखता पर खारिज किया गया।

चयनित जनसांख्यिकीय चर के साथ प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के ज्ञान और दृष्टिकोण का जुड़ाव। (अर्थात् आयु, लिंग, वैवाहिक स्थिति, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव के वर्ष)

ची स्क्वायर टेस्ट का उपयोग करके ज्ञान स्कोर के साथ जनसांख्यिकीय चर के संबंध से पता चला कि सांख्यिकीय रूप से जनसांख्यिकीय चर यानी आयु, लिंग, वैवाहिक स्थिति, शैक्षिक योग्यता, स्कूल शिक्षकों के अनुभव के वर्षों और उनके ज्ञान स्कोर के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं पाया गया (p 0. 05).डेमोग्राफिक चरणों के संग दृष्टिकोण स्कोर्स का संबंध जांचने के लिए चि–चौकी परीक्षण का उपयोग किया गया और यह दर्शाया कि शिक्षकों की आयु ($p \leq 0.012$) और वैवाहिक स्थिति ($p \leq 0.000$) के बीच सांख्यिकीय महत्वपूर्ण संबंध पाया गयाय जबकि शिक्षकों की लिंग, शैक्षिक योग्यता और अनुभव के वर्षों के बीच कोई संबंध नहीं पाया गया (च≤ 0.05)।

तालिका 1 अध्ययन विषयों की उनके जनसांख्यिकीय चर द्वारा आवृत्ति और प्रतिशत वितरण

जनसांख्यिकीय चर		प्रतिशत	संख्या
आयु	**21-30साल**	7	80
	31-40 साल	38	100
	41-50 साल	45	150
	ऊपर50	10	70
लिंग	**पुरुष**	57	294
	महिला	43	106
शैक्षिक योग्यता	**10+2**	12	63
	स्नातक	20	138
	स्नातकोत्तर	67	174
	पीएचडी	2	25
वर्षों का अनुभव	**5 वर्ष तक**	17	75
	6–10 वर्ष	36	147
	11–15 वर्ष	25	155
	16 वर्ष और उससे	22	23

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

	अधिक		

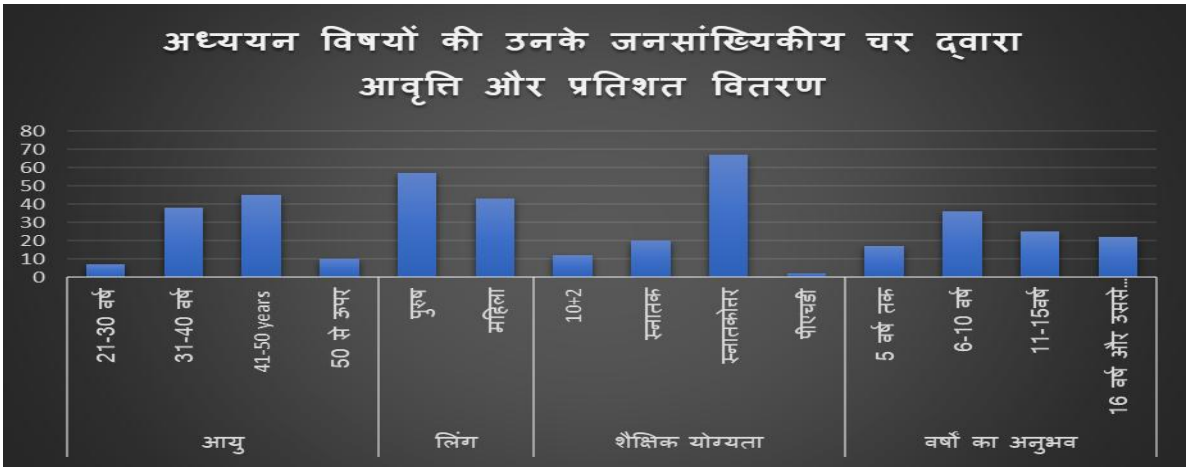

आकृति 1 अध्ययन विषयों की उनके जनसांख्यिकीय चर द्वारा आवृत्ति और प्रतिशत वितरण

प्रतिभागियों का जनसांख्यिकीय विश्लेषण कई महत्वपूर्ण प्रवृत्तियों का परिदृश्य प्रकट करता है। पहले, अधिकांश शिक्षक 31 से 50 वर्ष के आयु समांतरी में होते हैं, जिसमें 38: की आयु 31–40 वर्ष की है और 45: की आयु 41–50 वर्ष की है, जो साम्पल के भीतर मध्य–कैरियर पेशेवरों की प्रधानता को दर्शाता है। लिंग वितरण के मामले में, सैम्पल मुख्यतः पुरुषों का है, जिसमें से 57: प्रतिस्पर्धी हैं, जबकि महिलाएं 43: बनाती हैं। यह लिंग असंतुलन शैक्षिक कार्यबल के भीतर प्रतिनिधित्व और दृष्टिकोण में संभावित असमानताओं को बताता है।

शैक्षिक योग्यता के संबंध में, उपाधित अधिकांश प्रतिभागियों के पास (67:) पोस्ट–ग्रेजुएट डिग्री है, जिसके बाद स्नातक (20:) और 10̣2 योग्यता वाले व्यक्तियों (12:) का हिस्सा है, जो शिक्षाविदों के बीच शैक्षिक अर्जन के उच्च स्तर को दर्शाता है। इसके अलावा, एक छोटा प्रतिशत प्रतिभागिया ने एक डॉक्टरेट (Ph.D) प्राप्त किया है। अनुभव के वर्षों को ध्यान में रखते हुए, शिक्षाविदों का सबसे बड़ा अंश 6–10 वर्षों का अनुभव रखता है (36:), जिसके बाद 11–15 वर्ष (25:) और 5 वर्ष तक (17:) का हिस्सा है, जो बीच–कैरियर और अनुभवी पेशेवरों का मिश्रण सुझावित करता है।

केवल एक छोटा प्रतिशत (22:) 16 वर्ष और उससे अधिक अनुभव रखते हैं। समूहवार यह जनसांख्यिकीय अनुभव शिक्षाविदों के बीच शिक्षा संबंधी अभ्यासों पर दृष्टिकोण, विशेषज्ञता, और संभावित प्रभावों को समझने के लिए मूल्यवान परिचय प्रदान करते हैं।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

तालिका 2 सीखने की अक्षमता पर उनके ज्ञान स्कोर के अनुसार अध्ययन विषयों की आवृत्ति और प्रतिशत वितरण। एन=400

ज्ञान स्कोर	आवृत्ति	प्रतिशत
पर्याप्त ज्ञान 24–30(>75:)	55	6.7
मध्यम ज्ञान 16–23 (>50–75:)	200	73.3
अपर्याप्त ज्ञान 0–15(<50:)	145	20.0

प्रतिभागियों के ज्ञान स्तर के विश्लेषण से उनके विषय के समझ के कई मुख्य अनुभव प्रकट होते हैं। शिक्षाविदों का अधिकांश, जो सैंपल का 73.3: है, माध्यम स्तर के ज्ञान का प्रदर्शन करते हैं, 30 में से 16 से 23 अंक प्राप्त करते हैं (>50–75:)। इससे यह सुझावित होता है कि हालाँकि शिक्षाविदों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हरियाणा प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा के साथ संबंधित विषय को मजबूती से समझता है, लेकिन उनके समझने के और विकास के लिए और सुधार की आवश्यकता है।

इसके अतिरिक्त, 20: प्रतिभागियों का अपर्याप्त ज्ञान प्रदर्शित होता है, जो 0 से 15 (<50:) के बीच अंक प्राप्त करते हैं, जिससे सूचित होता है कि शिक्षाविदों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अतिरिक्त सहायता या प्रशिक्षण की आवश्यकता हो सकती है ताकि वे शिक्षा के विकलांगता प्रति छात्रों की आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से संबोधित कर सकें। उल्टी दिशा में, एक छोटा हिस्सा शिक्षाविदों का है, जो सैंपल का 6. 7: है, जो पर्याप्त ज्ञान का प्रदर्शन करते हैं, 24 से 30 (>75:) के बीच अंक प्राप्त करते हैं।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

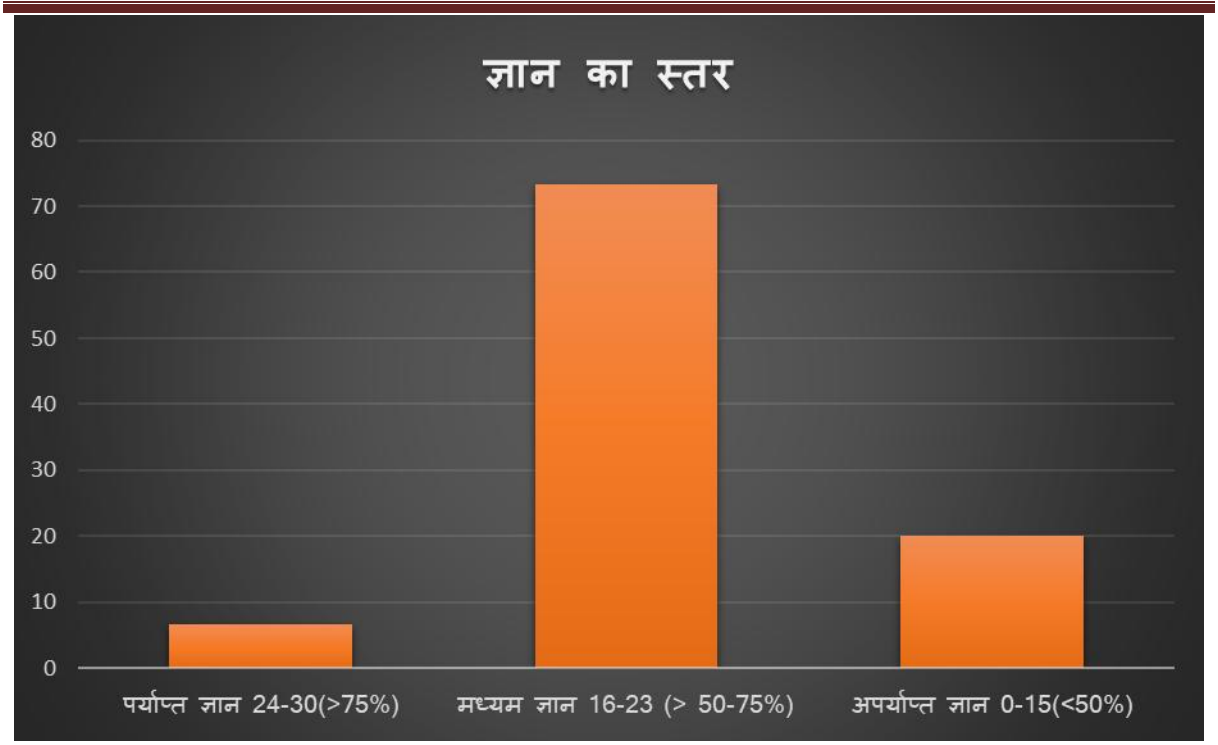

आकृति 2 सीखने की अक्षमता पर उनके ज्ञान स्कोर के अनुसार अध्ययन

हालांकि यह समूह सैंपल के अल्पसंख्यक को प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन उनके समझने का स्तर अपने साथियों के ज्ञान और प्रतिस्पर्धाओं को बढ़ाने के प्रयासों को सूचित करने और मार्गदर्शन करने के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में काम कर सकता है। सम्पूर्णतः, ये फिंडिंग्स प्रोफेशनल विकास पहलों और लक्षित अवधारणाओं की महत्वाकांक्षी पहलों की महत्वपूर्णता को उजागर करती हैं जो हरियाणा प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा विकलांगताओं वाले छात्रों का समर्थन करने में शिक्षाविदों के ज्ञान और प्रतिस्पर्धाओं को मजबूत करने के लिए लगातार पेशेवर विकास पहलों की महत्वपूर्णता को हाइलाइट करती हैं।

तालिका 3 सीखने की अक्षमता के विभिन्न क्षेत्रों पर अध्ययन विषयों के ज्ञान स्कोर का माध्य और एसडी वितरण। एन=400

क्षेत्रों	मतलब ± एसडी	माध्य स्कोर	अधिकतम	न्यूनतम	श्रेणी	माध्य प्रतिशत
सीखने की अक्षमता के सामान्य पहलू	7.08± 1.53	7	12	4	8	59.03

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

सीखने की अक्षमता की नैदानिक विशेषताएं और निदान	5.80 ± 1.92	6	10	2	8	58.00
सीखने की अक्षमता का प्रबंधन	5.95 ± 1.51	6	8	2	6	74.38

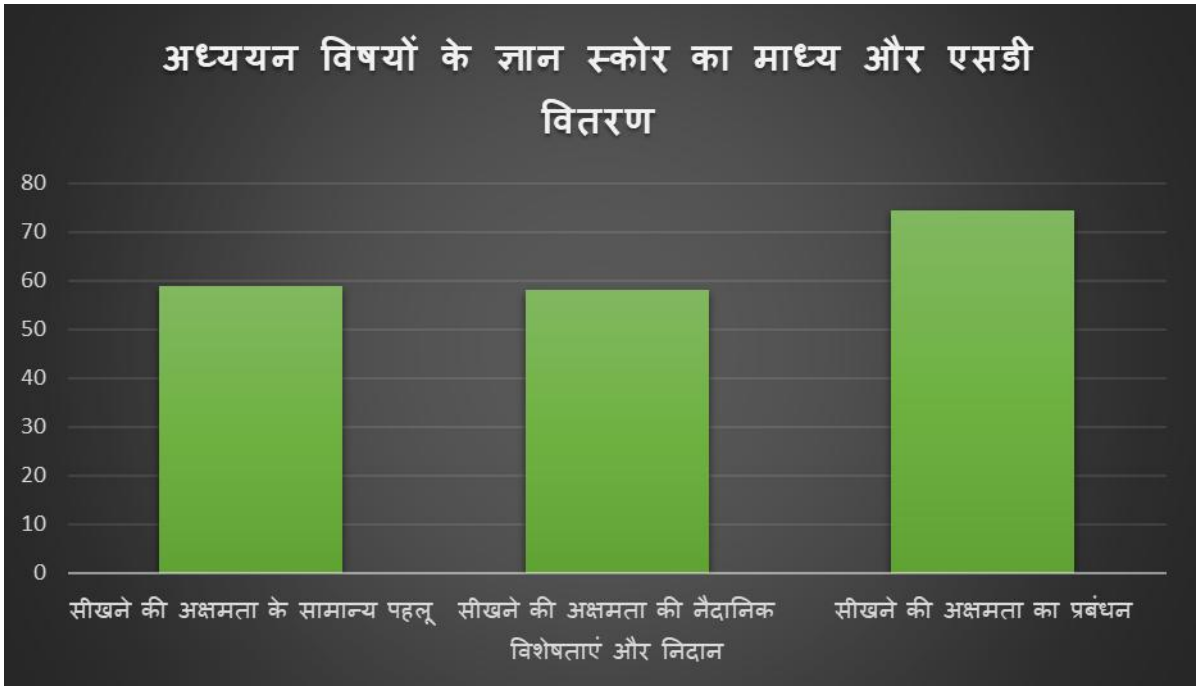

आकृति 3 सीखने की अक्षमता के विभिन्न क्षेत्रों पर अध्ययन विषयों के ज्ञान स्कोर

शिक्षाविदों का एक मजबूत समझ प्राप्त होता है शिक्षा विकलांगता के सामान्य पहलुओं और प्रबंधन के साथ, औसत स्कोर 7.08 और 5.95 के साथ, जो उच्च प्रतिस्पर्धा का संकेत करता है। हालांकि, उन्होंने औसत स्कोर 5.80 के साथ क्लिनिकल फीचर्स और निदान के बारे में थोड़ी कम समझ प्रदर्शित की है। सामान्य पहलुओं, क्लिनिकल फीचर्स, और प्रबंधन के लिए सही जवाबों का औसत प्रतिशत 59.03:, 58. 00:, और 74.38: हैं, क्रमशः। ये फिंडिंग्स शिक्षाविदों के बीच शिक्षा विकलांगता के संबंध में समग्र मजबूत मौलिक ज्ञान का सुझाव देते हैं, जो हरियाणा प्राथमिक विद्यालयों में प्रभावी समर्थन उपायों को मार्गदर्शित कर सकता है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

तालिका 4सीखने की अक्षमता पर दृष्टिकोण स्कोर के अनुसार अध्ययन विषयों की आवृत्ति और प्रतिशत वितरण। एन=400

मनोवृत्ति स्तर	आवृत्ति	प्रतिशत
सर्वाधिक अनुकूल रवैया 68–90 (>75:)	294	91.3
अनुकूल रवैया 46–67 (50–75:)	88	6.7
प्रतिकूल रवैया 0–45 (<50:)	18	2

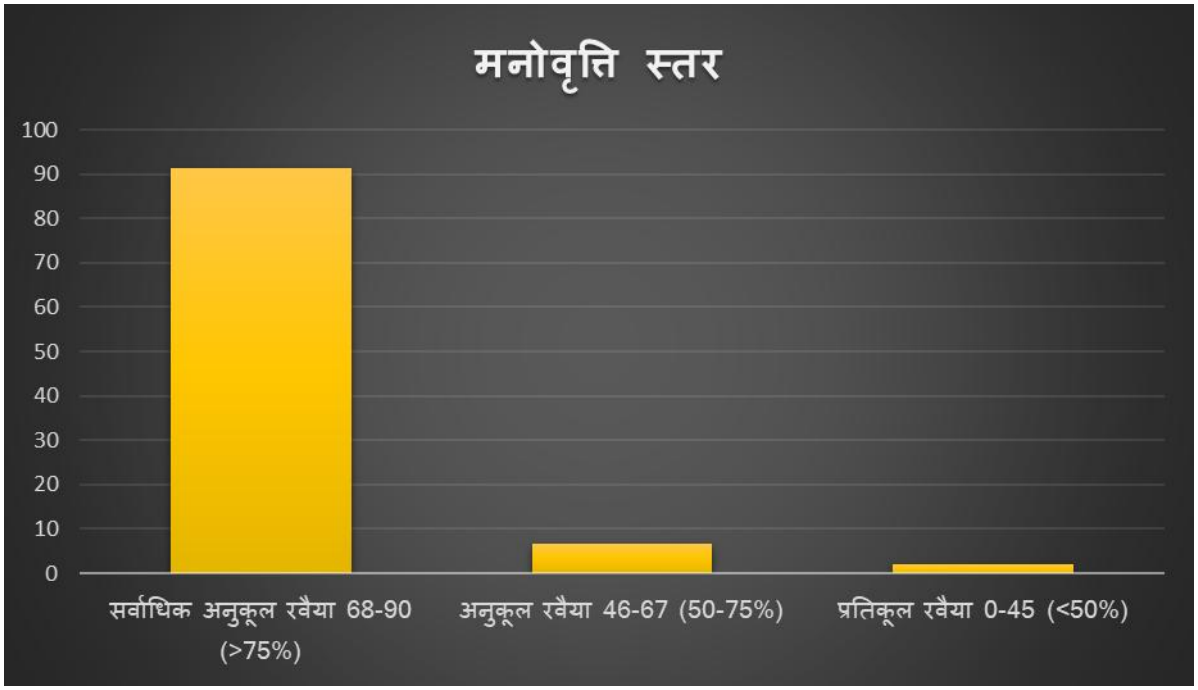

आकृति 4 सीखने की अक्षमता पर दृष्टिकोण स्कोर के अनुसार अध्ययन विषयों की आवृत्ति और प्रतिशत वितरण

शिक्षाविदों की आकलन का विश्लेषण छात्रों के साथ शिक्षा संबंधी कठिनाइयों के प्रति अत्यधिक सकारात्मक भावनाओं को साफ रूप से प्रकट करता है। प्रतिभागियों में से 91.3: का हिस्सा लेने वाले शिक्षाविदों का अधिकांश सर्वाधिक प्रिय दृष्टिकोण प्रदर्शित करते हैं, जो 68 से 90 (>75:) के बीच अंक प्राप्त करते हैं। यह उच्च प्रतिशत शिक्षाविदों के बीच शिक्षा विकलांगताओं के लिए सहायक और समावेशी वातावरण को बढ़ावा देने की ओर मजबूत प्रवृत्ति का संकेत देता है। इसके अतिरिक्त, एक

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

छोटा हिस्सा शिक्षाविदों का है, जो सैंपल का 6.7: है, जो 46 से 67 (50–75:) के बीच अंक प्राप्त करते हैं, जो कि एक सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रदर्शित करते हैं।हालांकि इस समूह का प्रभाव कम है, फिर भी यह समूह शिक्षा विकलांगताओं वाले छात्रों का समर्थन करने के प्रति एक सकारात्मक धारणा को दर्शाता है। उल्टे दिशा में, शिक्षाविदों का एक बहुत ही छोटा प्रतिशत, केवल 2: सैंपल का हिस्सा, एक असुविधाजनक दृष्टिकोण प्रदर्शित करता है, जो 0 से 45 (<50:) के बीच अंक प्राप्त करता है। इनक अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व के बावजूद, शिक्षाविदों के इस समूह में शिक्षा विकलांगताओं वाले छात्रों के प्रति किसी भी नकारात्मक धारणा को संबोधित और कम करने के लिए प्रयास किए जाने की आवश्यकता हो सकती है। सम्पूर्णत:, ये फिंडिंग्स हरियाणा प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा विकलांगताओं वाले छात्रों का समर्थन करने के लिए शिक्षाविदों की अत्यधिक सकारात्मक दृष्टिकोण को जोरदार प्रमाणित करती हैं, जो समावेशी और सहायक शिक्षा वातावरण के निर्माण के लिए अच्छी प्रतीत होती है।

तालिका 5 सीखने की अक्षमता के संबंध में अध्ययन विषयां के ज्ञान स्कोर और दृष्टिकोण स्कोर के बीच माध्य और सहसंबंध। एन=400

पियर्सन का सहसंबंध	ज्ञान स्कोर	मनोवृत्ति स्कोर
अर्थ	18.8	76.5
एस.डी	3.651	5.510
एन	60	
सह – संबंध	0.60	
तालिका मान	0.254	
पी मान	<0.001	
परिणाम	Significant	

पियर्सन के संबंध का विश्लेषण शिक्षाविदों के ज्ञान और विकलांगताओं वाले छात्रों के प्रति उनकी दृ ष्टिकोण के बीच एक महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध (0.60) दिखाता है। यह इस बात का संकेत देता है कि जैसे–जैसे शिक्षाविदों का ज्ञान बढ़ता है, उनकी इन छात्रों के समर्थन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण भी बढ़ता है। एक संबंध संख्या 0.254 से अधिक और p मान <0.001 के साथ, संबंध सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह संबंध संयोग की वजह से नहीं है। सारांश में, यह शिक्षाविदों के ज्ञान को बढ़ाने की महत्वता को उजागर करता है ताकि हरियाणा प्राथमिक विद्यालयों में इन छात्रों के लिए अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण और बेहतर समर्थन को प्रोत्साहित किया जा सके।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

निष्कर्ष

यह अध्ययन हरियाणा प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा विकलांगित छात्रों के प्रति प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के ज्ञान और दृष्टिकोण को उजागर करता है। हालांकि अधिकांश शिक्षकों ने मध्यम स्तर का ज्ञान प्रदर्शित किया, एक महत्वपूर्ण हिस्सा पर्याप्त समझ की कमी थी। हालांकि, शिक्षाविदों में इन छात्रों का समर्थन करने के प्रति एक मजबूत सकारात्मक दृष्टिकोण था। महत्वपूर्ण रूप से, अध्ययन ने शिक्षकों के ज्ञान और दृष्टिकोण के बीच एक महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध पाया, जो शिक्षा विकलांगता की समझ को बढ़ाने की महत्वता पर जोर देता है। जनसांख्यिकीय विश्लेषण ने शिक्षा कार्यबल के रुझानों को उजागर किया, जो शैक्षिक प्रथाओं के संदर्भ में संदेश प्रदान करता है। कुल मिलाकर, निश्चित उपयुक्त हस्तक्षेप और पेशेवर विकास महत्वपूर्ण हैं ताकि हरियाणा प्राथमिक विद्यालयों में सभी छात्रों के लिए समावेशी और सहायक शिक्षा वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

संदर्भ

- बसवनथप्पा बीटी. नर्सिंग शिक्षा. दूसरा संस्करण. नई दिल्लीरू जेपी प्रकाशनय 2009रू 409.
- सन्नकनारायण बी, सिंधु बी. नर्सिंग सीखना और सिखाना। तीसरा संस्करण. केरलरू ब्रेनफिल प्रकाशनय 2009रू 9.
- सीखने की अयोग्यता। URL http://www-helpguide से उपलब्ध है। org/mental/ education_disabilitys-htm ख09–11–2015 को उद्धृत,।
- अमेरिकन साइकियाट्रिक एसोसिएशन। डीएसएम–आईवीटीएम। चौथा. नई दिल्लीरू जेपी पब्लिशर्सय 2000.
- सीखने की अक्षमता वाले छा=- http://ctl-unl edu/tfi 14-html से उपलब्ध है। ख10–11–2015 को उद्धृत,।
- कॉर्टिएला, कैंडेस और होरोविट्ज, शेल्डन एच. सीखने की अक्षमताओं की स्थितिरू तथ्य, रुझान और उभरते मुद्दे। तीसरा संस्करण. न्यूयॉकर्रू सीखने की अक्षमताओं के लिए राष्ट्रीय केंद्रय 2014.
- सीखने की अक्षमताओं के लिए प्रभाग (डीएलडी)रू असाधारण बच्चों के लिए परिषद, 2001, जनवरी 2005। यूआरएल http://www-didceg-org से उपलब्ध ख11–11–2015 को उद्धृत,।
- शेल्टन डी. बाल मानसिक स्वास्थ्य नीति। जे पीडियाट्र नर्स 2000य15रू115–117।
- सदाकेत एम. भारत में लर्निंग डिसेबिलिटीज, अगस्त 2009, यूआरएल http://learning डिसेबिलिटीज इंडियाध्मकन.बवउ से उपलब्ध है। ख14–11–2015 को उद्धृत,।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 02, Feb- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

- साइन्स डी, सेल्विन ई. सीखने की अक्षमता वाले लोगों के लिए सामुदायिक नर्सों की भूमिकारू चुनौती देने वाले लोगों के साथ काम करना। इंट जे नर्स अध्ययन 2005य42रू415–427।
- जोस जे. सीखने की अक्षमता – माता–पिता के लिए बढ़ती चिंता। स्वास्थ्य क्रिया. 2009रू7–8.
- दर्शन सोही. पोषण की एक पाठ्यपुस्तक (नर्सिंग पाठ्यक्रम के लिए)। पहला संस्करण. जालंधररू पीवी प्रकाशनय 2010. पी.
- 1एकीकृत बाल विकास सेवाएँ। http://www-wcd-gujarat gov-in/introduction-html से उपलब्ध है।
- विलियम्स. बुनियादी पोषण और आहार चिकित्सा. 12वां संस्करण. नई दिल्लीरू एल्सेवियर प्रकाशनय 2000. पी. 4.
- ब्रिटिश डायटेटिक एसोसिएशन, फूड फैक्ट शीट।ू इकं.ना.बवउधविवक थ्बज पर उपलब्ध है
- पालन–पोषण के सिद्धांतरू बच्चों की जरूरतों को पूरा करना 1995। यहां उपलब्ध हैरू http://www- aces-edu/pubs/docs/H/HE&0685/
- एच.डार्लीन मैरिन। विस्तार पोषण विशेषज्ञ पूर्वोत्तर अनुसंधान। ीजजचरूध्ूददबब. वतहध्दनजतपजपवदध्दनजतपजपवद से उपलब्ध। चतमे.ीजउस. अप्रैल– 1997.